वार्षिक प्रतिवेदन

ANNUAL REPORT

2008-09

एस बी बी जे
S B B J

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर STATE BANK OF BIKANER & JAIPUR

www.reportjunction.com

निदेशक मण्डल की सभा का दृश्य
View of the Meeting of the Board of Directors

www.reportjunction.com

सूचना

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर
प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग, 'सी'-स्कीम,
जयपुर-302 005

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के अंशधारकों की अड़तालीसवीं वार्षिक साधारण सभा **बिड़ला ऑडिटोरियम, स्टेच्यु सर्किल के पास, जयपुर में मंगलवार, दिनांक 2 जून, 2009 को प्रातः 11.30 बजे** (मानक समय) आयोजित की जावेगी जिसमें 1 अप्रैल, 2008 से 31 मार्च, 2009 तक की अवधि के तुलन-पत्र एवं लाभ और हानि खाता, इसी अवधि में बैंक के कार्यकरण एवं क्रियाकलापों पर निदेशक मंडल के प्रतिवेदन तथा तुलन-पत्र व लेखों के सम्बन्ध में संपरीक्षकों के प्रतिवेदन पर विचार कर पारित किया जायेगा।

मण्डल के आदेशानुसार

जयपुर
दिनांकः 24 अप्रैल, 2009

अरुण शाण्डिल्य
प्रबन्ध निदेशक

NOTICE

STATE BANK OF BIKANER & JAIPUR
Head Office, Tilak Marg, 'C'-Scheme
Jaipur-302 005

NOTICE is hereby given that the Forty Eighth Annual General Meeting of the Shareholders of State Bank of Bikaner and Jaipur will be held in the **Birla Auditorium, Near Statue Circle, Jaipur on Tuesday, the 2nd June, 2009 at 11.30 A.M.** (Standard Time) to discuss and adopt the Balance Sheet and Profit & Loss Account of the Bank, the report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts for the period 1st April, 2008 to 31st March, 2009.

By Order of the Board

Jaipur
Dated: 24th April, 2009

Arun Shandilya
Managing Director

www.reportjunction.com

विषय-सूची CONTENTS

उल्लेखनीय तथ्य	03
Highlights	03
निदेशक मण्डल	04
Board of Directors	05
निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन	06
Directors' Report	07
बासेल-II प्रकटीकरण	64
Basel-II Disclosures	65
तुलन-पत्र	102
Balance Sheet	102
लाभ-हानि खाता	104
Profit & Loss Account	104
अनुसूचियां	106
Schedules	106
प्रमुख लेखा नीतियां	118
Principal Accounting Policies	119
खातों पर टिप्पणियाँ	124
Notes on Accounts	125
लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन	154
Auditors' Report	155

ReportJunction.com

उन्नति का एक दशक 2000-2009
A Decade of Progress 2000-2009

(रु. करोड़ में)
(Rs. in Crore)

संकेतक Indicators	पूँजी एवं आरक्षितियां Capital & Reserves	कुल व्यवसाय Total Business	सकल उपार्जन Operating Profit	निवल लाभ Net Profit	शाखाओं की संख्या No. of Branches	प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय Average Business per Employee	प्रति कर्मचारी निवल लाभ (रुपये लाख में) Net Profit per Employee (Rs. In lakh)
मार्च March 2000	523.12	14018	237.88	120.42	794	0.86	1.69
मार्च March 2001	609.20	16065	268.30	105.37	799	1.05	0.77
मार्च March 2002	752.11	17592	390.61	164.50	802	1.29	1.31
मार्च March 2003	903.45	20391	440.85	203.28	804	1.46	1.63
मार्च March 2004	1148.57	25457	681.35	301.52	812	1.70	2.44
मार्च March 2005	1297.68	31294	729.64	205.65	824	2.20	1.69
मार्च March 2006	1405.66	37790	481.03@	145.03	832	2.77	1.20
मार्च March 2007	1653.71	49246	679.20@	305.80	844	3.56	2.57
मार्च March 2008	1713.21	59427	661.18@	315.00	850	4.45	2.73
मार्च March 2009	2046.47	69312	892.84@	403.45	860	5.55	3.55

@ निवेशों के मूल्यांकन के लिए भारिबैं द्वारा जारी पुनरीक्षित दिशानिर्देशों को दृष्टिगत करते हुए।
Revised keeping in view RBI guidelines on valuation of investments.

www.reportjunction.com

उल्लेखनीय तथ्य
HIGHLIGHTS

(रु. करोड़ में)
(Rs. in Crore)

		2007-08	**2008-09**
कुल व्यवसाय अन्तर-बैंक जमाओं सहित Total Business including inter-bank deposits		59427	**69312**
जमा राशियाँ Deposits		34108	**39224**
कुल अग्रिम Total Advances		25319	**30088**
अग्रिम (निवल) Advances (Net)		25076	**29851**
निवेश (निवल) Investments (Net)		10498	**10999**
निवल लाभ Net Profit		315.00	**403.45**
जमाओं की लागत Cost of Deposits		6.43%	**6.72%**
अग्रिमों पर आय Yield on Advances		10.56%	**10.98%**
निवल ब्याज अन्तर Net Interest Margin		2.88%	**2.81%**
प्रदत्त पूँजी एवं आरक्षितियाँ Paid-up Capital & Reserves		1713.21	**2046.47**
प्रति अंश आय (रुपयों में) Earning per Share (in Rs.)		630.00@	**80.69#**
प्रति अंश पुस्तक मूल्य (रुपयों में) Book Value per Share (in Rs.)		3426.42@	**409.29#**
पूँजी पर्याप्तता अनुपात Capital Adequacy Ratio	बासेल-I के अनुसार As per Basel-I	13.50%	**13.18%**
	बासेल-II के अनुसार As per Basel-II	12.51%	**14.52%**
लाभांश दर Dividend Rate		100%	**120%**
सकल गैर-निष्पादित आस्तियां Gross Non Performing Assets		437.31	**490.33**
सकल गैर-निष्पादित आस्तियां प्रतिशत Gross NPA %		1.73%	**1.63%**
निवल गैर-निष्पादित आस्तियां प्रतिशत Net NPA %		0.83%	**0.85%**
प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को अग्रिम Advances to Priority Sectors		10472	**11758**
कृषि क्षेत्र को अग्रिम Advances to Agriculture		4493	**5134**
लघु उद्योग क्षेत्र को अग्रिम Advances to Small Scale Industries		2675	**2819**
लघु व्यवसाय व अन्य प्राथमिकता क्षेत्र को ऋण Advances to Small Business & Other Priority Sectors		3304	**3805**
किसान क्रेडिट कार्डों की कुल संख्या Total number of Kisan Credit Cards		471340	**562750**
निर्यात वित्त Export Finance		1801	**1738**
शाखाओं की कुल संख्या Total number of branches		850	**860**
कोर बैंकिंग शाखाओं की संख्या Number of Core Banking branches		850	**860**
कर्मचारियों की संख्या Number of Employees		12161	**12169**
प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय Average Business per Employee		4.45	**5.55**

@ अंकित मूल्य रुपये 100/- Face value rupees 100/-
# अंकित मूल्य रुपये 10/- Face value rupees 10/-

www.reportjunction.com

निदेशक मण्डल

श्री ओ.पी. भट्ट अध्यक्ष भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र, मादाम कामा रोड, मुम्बई	अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ए) के अधीन पदेन अध्यक्ष
श्री अरुण शाण्डिल्य प्रबन्ध निदेशक स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग, जयपुर	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (एए) के अधीन मनोनीत
श्री रमेश चन्द्र मुख्य महाप्रबन्धक (सेवानिवृत्त) भारतीय रिज़र्व बैंक 24, आकाश गंगा कोऑपरेटिव ग्रुप हाउसिंग सोसायटी, प्लॉट नं. 3, सेक्टर 56, सुशांत लोक-II, गुड़गांव-122 003	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (बी) के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मनोनीत
श्री जीबन गोस्वामी मुख्य महाप्रबन्धक सहयोगी बैंक विभाग भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र, मुम्बई	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
श्री एस.ए. थिम्मैया उप महाप्रबन्धक सहयोगी बैंक विभाग भारतीय स्टेट बैंक, कॉरपोरेट केन्द्र, मुम्बई	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
श्री संजय बापना हीराबाग, रामसिंह रोड़, जयपुर-302 004	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत
डॉ. संजीव अग्रवाल ए-226, शिवानन्द मार्ग, मालवीय नगर जयपुर	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के अधीन चयनित निदेशक
श्री अमरीक सिंह अवर सचिव, भारत सरकार वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवाएँ विभाग, जीवन दीप बिल्डिंग, संसद मार्ग नई दिल्ली	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ई) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत
श्री रतन कुमार रूंगटा 61/45, प्रताप नगर, सांगानेर टोंक रोड, जयपुर - 302 030	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के अधीन चयनित निदेशक
श्री अशोक कुमार शुक्ला विशेष सहायक स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर बिरहाना रोड, कानपुर-208 001	अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (2ए) के साथ पठित धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सीए) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत

BOARD OF DIRECTORS

Shri O.P. Bhatt Chairman State Bank of India, Corporate Centre, Madame Cama Road, Mumbai	Chairman, ex-officio under clause (a) of sub section (1) of section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959.
Shri Arun Shandilya Managing Director State Bank of Bikaner & Jaipur Head Office, Tilak Marg, Jaipur	Nominated under clause (aa) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Ramesh Chander Chief General Manager (Retd.) Reserve Bank of India 24, Akash Ganga Cooperative Group Housing Society, Plot No. 3, Sector 56, Sushant Lok-II, Gurgaon-122 003	Nominated by the Reserve Bank of India under clause (b) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Jiban Goswami Chief General Manager Associate Banks' Deptt., State Bank of India, Corporate Centre, Mumbai	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri S.A. Thimmiah Dy. General Manager Associate Banks' Deptt., State Bank of India, Corporate Centre, Mumbai	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Sanjay Bapna Hira Bagh, Ramsingh Road Jaipur - 302 004	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Dr. Sanjiv Agarwal A-226, Shivanad Marg Malviya Nagar, Jaipur	Elected under clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Amrik Singh Under Secretary, Govt. of India, Ministry of Finance, Deptt. of Financial Services, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi	Nominated by the Central Government under clause (e) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Ratan Kumar Roongta 61/45, Pratap Nagar, Sanganer, Tonk Road, Jaipur - 302 030	Elected under clause (d) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
Shri Ashok Kumar Shukla Special Assistant State Bank of Bikaner & Jaipur Birhana Road Kanpur-208 001	Nominated by the Centre Government under clause (ca) of sub-section (1) of section 25 read with the sub-section (2A) of section 26 of the Act.

Report Junction.com

www.reportjunction.com

निदेशक मण्डल
BOARD OF DIRECTORS

श्री ओ.पी. भट्ट
अध्यक्ष
Shri O.P. Bhatt
Chairman

श्री अरुण शाण्डिल्य
प्रबन्ध निदेशक
Shri Arun Shandilya
Managing Director

श्री रमेश चन्द्र
Shri Ramesh Chander

श्री जीबन गोस्वामी
Shri Jiban Goswami

श्री एस.ए. थिम्मैया
Shri S.A. Thimmiah

श्री संजय बापना
Shri Sanjay Bapna

डॉ. संजीव अग्रवाल
Dr. Sanjiv Agarwal

श्री अमरीक सिंह
Shri Amrik Singh

श्री रतन कुमार रूंगटा
Shri Ratan Kumar Roongta

श्री अशोक कुमार शुक्ला
Shri Ashok Kumar Shukla

www.reportjunction.com

भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 43 (1) के निबन्धनों के तहत भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक एवं भारत सरकार को निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन

प्रतिवेदन की अवधि : 1 अप्रैल, 2008 से 31 मार्च, 2009

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के निदेशक मण्डल को बैंक के 31 मार्च, 2009 को समाप्त हुए वर्ष का वार्षिक प्रतिवेदन, अंकेक्षित तुलन-पत्र एवं लाभ-हानि खातों के साथ प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता है।

प्रबन्धन विचार-विमर्श और विश्लेषण

आर्थिक परिदृश्य

विश्व अर्थव्यवस्था

वर्ष 2008-09, वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए अत्यन्त उतार चढ़ाव का वर्ष रहा है जिसका प्रमुख कारण अमरीकी सब-प्राइम संकट था, जो शनैःशनैः वित्तीय बाजार संकट में परिवर्तित होकर एक व्यापक आर्थिक संकट के रूप में बदल गया। विश्व आर्थिक परिदृश्य (अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, अप्रैल 2009) के अनुसार विश्व उत्पाद, जो कि वर्ष 2007 में 5.2% और वर्ष 2008 में 3.2% की दर से बढ़ा था, में वर्ष 2009 में 1.3% की कमी होने का अनुमान है जो कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अब तक की सबसे भारी मंदी का सूचक है। भारत एवं चीन विश्व में तीव्रतम गति से विकसित हो रहे राष्ट्रों के समूह में निरन्तर बने हुए हैं। तथापि, वैश्विक पूँजी, मुद्रा एवं जिन्स बाजारों में असीम अस्थिरता, भावी अपस्फीति की चेतावनी तथा विकसित देशों के बड़े बैंकिंग समूहों की गिरती वित्तीय हालत मुख्य चिन्ता के विषय बने हुए हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था

विश्व में आर्थिक मन्दी से भारतीय अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हुई है। केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन के पूर्वानुमानों के अनुसार भारत के सकल घरेलू उत्पाद में अप्रैल-दिसम्बर 2008 के दौरान 6.9% की वृद्धि दर्ज हुई जो गतवर्ष की इसी तुलनात्मक अवधि में 9.0% थी। भारतीय रिज़र्व बैंक ने सकल घरेलू उत्पाद में वर्ष 2008-09 में 6.5-6.7% और वर्ष 2009-10 में लगभग 6.0% की वृद्धि दर अनुमानित की है। औद्योगिक उत्पादन के सूचकांक में वर्ष 2008-09 के दौरान 2.4% की वृद्धि दर्ज की गई है, जो कि पिछले वर्ष में 8.5% थी। वर्ष 2008-09 में मुख्य ढांचागत उद्योगों की विकास दर 2.7% तक धीमी हो गई जो गत वर्ष 5.9% थी।

वर्ष 2008-09 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में मंदी का द्योतक रहा है। भारत के निर्यात (अमरीकी डॉलर में) वर्ष 2008-09 में 3.4% की दर से बढ़े हैं जबकि आयात में 14.3% की वृद्धि दर्ज हुई है। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने वर्ष 2008-09 में भारतीय पूँजी एवं ऋण बाजारों से 11.0 बिलियन अमरीकी डॉलर आहरित किये हैं जबकि वर्ष 2007-08 में 16.0 बिलियन अमरीकी डॉलर का अन्तर्वाह हुआ था। इसके साथ ही प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमरीकी डॉलर की मूल्य वृद्धि के परिणामस्वरूप भारत का विदेशी विनिमय कोष वर्ष 2008-09 में 57.7 बिलियन अमरीकी डॉलर गिर कर अन्त मार्च 2009 को 252.0 बिलियन अमरीकी डॉलर के स्तर तक पहुँच गया।

जिन्स मूल्यों में विश्वस्तरीय गिरावट तथा भारत सरकार एवं भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा किये गये अनेक पोषक वित्तीय एवं मौद्रिक उपायों से थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति अगस्त 2, 2008 को तेरह वर्षों के सर्वोच्च स्तर 12.91% से गिर कर दिनांक 28 मार्च 2009 को तीन दशकों के न्यूनतम स्तर 0.26% पर आ गई। भारतीय अर्थव्यवस्था के धीमे होते जा रहे विकास को प्रोत्साहित करने के लिए भारत सरकार ने तीन राजस्व प्रोत्साहन पैकेजों की घोषणा की है जिनमें उत्पाद शुल्क व सेवा कर दरों में कटौती, आधारभूत ढांचे एवं सामाजिक क्षेत्रों में खर्च वृद्धि, ऋण प्रवाह बढ़ाने तथा विदेशी निवेश आकर्षित करने जैसे उपाय शामिल हैं।

राजस्थान के माननीय मुख्य मंत्री श्री अशोक गहलोत, जयपुर में आयोजित स्टोनमार्ट प्रदर्शनी के अवसर पर बैंक के स्टॉल का परिदर्शन करते हुए।

Hon'ble Chief Minister of Rajasthan Shri Ashok Gehlot visiting Bank's stall during Stonemart Exhibition at Jaipur.

www.reportjunction.com

REPORT OF THE BOARD OF DIRECTORS TO THE STATE BANK OF INDIA, THE RESERVE BANK OF INDIA AND THE GOVERNMENT OF INDIA IN TERMS OF SECTION 43(1) OF THE STATE BANK OF INDIA (SUBSIDIARY BANKS) ACT 1959

PERIOD COVERED BY THE REPORT: 1st APRIL 2008 TO 31st MARCH 2009

The Board of Directors of State Bank of Bikaner and Jaipur have pleasure in presenting this Annual Report together with the audited Balance Sheet and Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March 2009.

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

ECONOMIC ENVIRONMENT

WORLD ECONOMY

The year 2008-09 has been a year of major turbulence in the global economy triggered by the US sub-prime crisis which gradually led to the financial market crisis and culminated into the overall economic crisis. According to World Economic Outlook (International Monetary Fund, April 2009), world output, which increased by 5.2% in 2007 and 3.2% in 2008, is expected to contract by 1.3% in 2009, signalling the most severe recession since the Second World War. India and China continue to remain in the league of the fastest growing nations in the world. However, high volatility in global equity, currency and commodity markets, emerging threat of deflation and deteriorating financial health of large banking conglomerates in the developed countries remain the major areas of concern.

INDIAN ECONOMY

The Indian economy has also been impacted by the global economic slowdown. As per the estimates made by the Central Statistical Organisation, India's GDP at 1999-2000 prices recorded a growth of 6.9% during April-December 2008 compared to the growth of 9.0% in the corresponding period last year. Reserve Bank of India has estimated a GDP growth of 6.5-6.7% for 2008-09 and around 6.0% for 2009-10. The Index of Industrial Production recorded a growth of 2.4% during 2008-09, compared to 8.5% during the previous year. The growth of core infrastructure industries slowed to 2.7% during 2008-09, compared to 5.9% in the previous year.

The year 2008-09 has also witnessed a slowdown in international trade. India's exports recorded a growth of 3.4% in US$ terms during 2008-09, while imports recorded a growth of 14.3%. Foreign institutional investors have withdrawn US$ 11.0 billion of investments from Indian equity and debt markets during 2008-09 compared to inflows of US$ 16.0 billion in 2007-08. This together with appreciation of US$ against major currencies has resulted in India's forex reserves declining by US$ 57.7 billion during 2008-09 to reach a level of US$ 252.0 billion by end-March 2009.

With global decline in commodity prices and a host of fiscal and monetary measures taken by the Government of India and Reserve Bank of India, WPI inflation declined from a 13 year high level of 12.91% as on August 2, 2008 to a three decade low level of 0.26% by March 28, 2009. In order to stimulate the slackening growth in the Indian economy, Government of India has announced three fiscal stimulus packages including cut in excise duty and service tax rates, higher spending for infrastructure and social sectors, encouraging credit flow and attracting more foreign investment.

जैसलमेर के मरु-उत्सव में सेवा प्रदान करते हुए कैमल बैंक।

Camel Bank serving at a desert festival in Jaisalmer.

www.reportjunction.com

राजस्थान की अर्थव्यवस्था

भौगोलिक दृष्टि से राजस्थान राज्य जो कि 3.42 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है, देश का सबसे बड़ा राज्य है। राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (1999-2000 की कीमतों पर) में पिछले वर्ष की 7.1% की वृद्धि दर की तुलना में वर्ष 2008-09 में 5.5% वृद्धि दर रहने का अनुमान है। राज्य में कृषि, उद्योग एवं सेवा क्षेत्र में वृद्धि दर क्रमशः 6.1%, 3.2% तथा 6.6% अनुमानित की गई है जो पिछले वर्ष क्रमशः 6.7%, 6.0% तथा 8.1% रही थी।

वित्तीय क्षेत्र की गतिविधियां

विश्व भर में वर्ष 2008-09 बैंकिंग क्षेत्र के लिए चुनौती भरा रहा है। वित्तीय वर्ष का पूर्वार्द्ध बढ़ते वस्तु मूल्यों व मुद्रास्फीति से निपटने के लिए किये गये मौद्रिक कसाव उपायों से युक्त रहा जबकि उत्तरार्द्ध में वैश्विक वित्तीय संकट की वजह से तरलता में भारी कमी परिलक्षित हुई। वित्तीय तंत्र में तरलता संचार के लिए घरेलू स्तर पर भारतीय रिज़र्व बैंक ने अनेक उपाय किये। अक्टूबर 2008 से मार्च 2009 के मध्य रिपो दर 400 आधार बिन्दु से घटा कर 5.0%, रिवर्स रिपो दर 250 आधार बिन्दु से घटाकर 3.5%, आरक्षित नकदी निधि अनुपात 400 आधार बिन्दु से घटाकर 5.0% और सांविधिक चलनिधि अनुपात को 100 आधार बिन्दु घटाकर 24.0% किया गया है। वर्ष 2008-09 के दौरान, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल जमा राशियों में 19.8% की वृद्धि दर्ज की गई जो गत वर्ष की इसी अवधि की 22.4% की वृद्धि दर से कम है। अग्रिमों की वृद्धि भी घट कर पिछले वर्ष की इसी अवधि में 22.3% की तुलना में 17.3% रह गई।

वर्ष के दौरान प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की एक वर्ष से अधिक की परिपक्वता वाली जमा राशियों की ब्याज दरें मार्च 2008 की 8.25-9.25% से बढ़कर, दिसम्बर 2008 तक 8.50-10.75% हो गईं तथा अन्त-मार्च 2009 तक 7.50-9.25% रह गईं। प्रमुख बैंकों की बेंचमार्क मूल उधार दरें मार्च 2008 की 12.25-13.50% से बढ़कर, सितम्बर 2008 में 13.75-14.75% हो गईं तथा अन्त-मार्च 2009 तक 11.50-14.00% रह गईं। वर्ष के दौरान वैश्विक प्रवृत्ति के अनुरूप पूँजी बाजार कुल मिलाकर मन्द रहे। अन्त-मार्च 2009 को बीएसई सूचकांक अन्त मार्च 2008 के स्तर से 37.9% गिरावट के साथ 9709 पर बन्द हुआ।

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा मौद्रिक नीति को सरल करने के साथ ही वर्ष 2008-09 के द्वितीय अर्द्ध वर्ष में वित्तीय तंत्र में घरेलू एवं विदेशी मुद्रा की भारी तरलता का संचार किया गया। इन उपायों में बैंकों, म्युचुअल कोषों, गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों तथा आवास वित्त कम्पनियों के लिए विशेष पुनर्वित्त योजनाएं, एफसीएनआर (बी) तथा एनआरई जमाओं की ब्याज दरों में वृद्धि, विदेशी वाणिज्यिक उधारों को उदार बनाना, पूँजी पर्याप्तता के विवेकपूर्ण मानदण्डों में ढील देना तथा संपीड़ित आस्तियों की पुनर्संरचना सम्मिलित हैं। वर्ष के दौरान 3.6 करोड़ किसानों को लाभान्वित करते हुए रुपये 65,300 करोड़ की ऋण माफी/ऋण राहत राशि वाली कृषि ऋण माफी एवं ऋण राहत योजना, 2008 क्रियान्वित की गई।

सम्भावनाएं, चुनौतियाँ एवं परिदृश्य

वर्ष 2009-10 हाल की अवधि के अत्यन्त चुनौतीपूर्ण वर्षों में से एक रहने की सम्भावना है। वैश्विक मन्दी और वित्तीय अनिश्चितता की पृष्ठभूमि में वित्तीय स्थिरता सहित आर्थिक विकास की गति बनाए रखना प्रमुख चुनौती है। अन्तरिम बजट 2009-10 में भारत सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए खर्च में व्यापक वृद्धि की घोषणा की गई है। इन उपायों से आशा है कि भारत शीघ्र ही सकल घरेलू उत्पाद की उच्च वृद्धि के मार्ग पर तेजी से अग्रसर हो पाएगा।

राजस्थान सरकार ने भी राज्य के सकल घरेलू उत्पाद की 0.5% तक की राशि से खर्च बढ़ाना प्रस्तावित किया है, जिससे मांग में सुधार होने की सम्भावना है। उत्तर पश्चिम तथा मध्य भारत के छः प्रमुख राज्यों के समीप होने से राजस्थान वृहद् निवेश केन्द्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। राज्य में कपड़ा उद्योग, ऑटो अनुषंगी, हस्तशिल्प, खनन एवं खनिज आधारित उद्योग, रत्न एवं आभूषण, पर्यटन, तथा इसी प्रकार आने वाले समय में सूचना प्रौद्योगिकी, व्यवसाय प्रक्रिया आउटसोर्सिंग, शिक्षा, तेल एवं गैस क्षेत्रों में भी प्रचुर सम्भावनाएँ हैं। राज्य सरकार का आधारभूत ढांचे में सुधार और औद्योगिक विकास को बढ़ाने पर जोर होने के कारण राज्य तेजी से बढ़ने के लिए सन्नद्ध है, जो आने वाले वर्षों में बैंक व्यवसाय हेतु शुभ संकेत है।

बैंक के समक्ष प्रमुख चुनौती स्थिर एवं कम लागत के दीर्घावधि जमा आधार को महत्त्व देते हुए राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर बाजार अंश में सुधार करना है। आर्थिक मन्दी की पृष्ठभूमि में आस्ति गुणवत्ता बनाये रखना, नये उत्पादों एवं वितरण माध्यमों का विकास, तकनीक चालित परिवेश में व्यवसाय प्रक्रियाओं की पुनर्संरचना, परिष्कृत जोखिम प्रबन्धन प्रणाली का विकास, निवल ब्याज अन्तर को बनाए रखना, गैर-कोषीय व्यवसाय से लाभप्रदता में सुधार, ग्राहक सेवाओं में और सुधार तथा उच्च स्तरीय कॉरपोरेट अभिशासन का अभिग्रहण भी बैंक के समक्ष महत्त्वपूर्ण चुनौतियाँ रहेंगी।

निगम परिचालन

व्यवसाय निष्पादन

बैंक का समग्र व्यवसाय (जमाराशियाँ एवं सकल अग्रिम) रुपये 9,885 करोड़ (16.6%) की वृद्धि दर्ज करते हुए अन्त-मार्च 2009 को रुपये 69,312 करोड़ के स्तर पर पहुँच गया है, जो कि अन्त-मार्च 2008 को रुपये 59,427 करोड़ था। कुल जमाराशियाँ अन्त-मार्च 2009 तक रुपये 5,116 करोड़ (15.0%) की वृद्धि दर्ज करते हुए रुपये 39,224 करोड़ के स्तर पर जा पहुँची हैं, जबकि सकल अग्रिम रुपये 4,769 करोड़ (18.8%) की वृद्धि दर्ज करते हुए रुपये 30,088 करोड़ के स्तर तक पहुँच गये हैं। ब्याज दरों में निरन्तर तेज वृद्धि के क्रम में, विशेष रूप से वर्ष 2008-09 के प्रथम अर्द्धवर्ष में, जमाराशियों की लागत वर्ष 2007-08 के 6.43% से बढ़कर वर्ष 2008-09 में 6.72% हो गई है, जबकि अग्रिमों पर आय सुधर कर 10.56% से 10.98% हो गई। वर्ष के दौरान बैंक के कुल उधारकर्त्ताओं की संख्या 10 लाख के स्तर को पार कर गई है।

www.reportjunction.com